

This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

1062

B.A. (Hons.)/I

J

PHILOSOPHY—Paper-II

(Elements of Indian Philosophy)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

**Note** :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी** :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *Five* questions in all. Question No. 1 is compulsory. *All* questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या

**1** अनिवार्य है । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

1. "It is known to him, to whom it is unknown; he does not know to whom it is known. It is unknown to those who know well, and known to those who do not know." Explain with the context.

वह (वृद्ध) उसे ज्ञात है जिसे वह अज्ञात है, वह नहीं जानता जिसे वह (वृद्ध) ज्ञात है । वह उन्हें अज्ञात है, जो उच्च ज्ञान वाले हैं, किन्तु उन्हें ज्ञात है जिन्हें वह अज्ञात है ।" संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

Or

(अथवा)

What is the philosophical significance of the Yakṣa Umā Hemavati episode in the *Kena Upaniṣad* ?

**केनोपनिषद्** में प्रतिपादित यक्ष-उमा हेमवती आख्यान के दार्शनिक महत्व की विवेचना कीजिए ।

2. Critically examine the Cārvāka epistemology and metaphysics.

चार्वाक दर्शन के ज्ञान तथा तत्त्वमीमांसा की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

3. Explain, in detail, the Buddhist theory of dependent origination.

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्य समुत्पाद के सिद्धान्त की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए ।

4. Discuss the Jaina concept of *anekāntavāda*.

जैन दर्शन के **अनेकांतवाद** की अवधारणा का विवेचन कीजिए ।

5. Critically examine the Nyāya theory of Inference.

न्याय दर्शन में प्रतिपादित अनुमान सिद्धान्त की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

Or

(अथवा)

State and explain the seven categories in Vaiśeṣika philosophy.

वैशेषिक दर्शन में प्रतिपादित सात पदार्थों को बताइए तथा व्याख्या कीजिए ।

6. Discuss the Sāṅkhya theory of *Prakṛtipariṇāmavāda* in detail.

सांख्य दर्शन में प्रतिपादित **प्रकृतिपरिणामवाद** का विस्तारपूर्ण विवेचन कीजिए ।

Or

(अथवा)

Examine the eightfold means of Yoga with special reference to *Citta*.

योग दर्शन में प्रतिपादित 'अष्टांग योग' की 'चित्त' के विशेष सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए ।

7. Discuss Śaṅkara's doctrine of *Brahm Vivartavāda*.

शंकर के ब्रह्मविवर्तवाद के सिद्धान्त की विवेचन कीजिए ।

8. How does Rāmānuja refute the Māyāvāda of Śaṅkara ? Explain.

रामानुज शंकर के मायावाद का खण्डन किस प्रकार करते हैं ? व्याख्या कीजिये ।

9. Explain the nature and means of knowledge according to Mīmāṃsā philosophy.

मीमांसा दर्शन के अनुसार ज्ञान के स्वरूप तथा साधनों की व्याख्या कीजिए ।